25 / 06 / 77 की अव्यक्त वाणी

पर आधारित योग अनुभूति

सम्पूर्ण पवित्रता का अनुभव

➢➢ मैं विश्व की आधार मूर्त आत्मा हूँ..

➳_ ➳ मैं सम्पूर्ण पवित्र हूँ..

➳_ ➳ परम पूज्य आत्मा हूँ...

➳_ ➳ बाप की आज्ञाकारी, वफादार आत्मा हूँ...

→ मैं बाबा से पूरी तरह से इमानदार, फरमान बरदार हूँ...

→ सच्ची दिल से बाबा की हर श्रीमत का पालन कर रही हूँ...

→ दिलवाला बाप के दिल्तख्तनशीं हूँ...

■ बाप से मिले सभी खजानों को शीमत अनुसार प्रयोग कर रही हूँ...

■ मनमत और परमत में आकर समय, संकल्प के खजाने को व्यर्थ नहीं गंवा रही हूँ...

■ खजानों को विश्व कल्याण में लगा रही हूँ...

■ मैं आत्मा बाबा से पूरी तरह से इमानदार, वफादार हूँ...

▶ मेरे मन में सदा सबके लिए शुभ भावना है...

▶ श्रेष्ठ कामना है...

▶ मैं हर संकल्प, बोल और कर्म से निमित्त हूँ..

▶ निर्माण चित्त हूँ...

▶ हर कदम में समर्थ स्थिति का अनुभव कर रही हूँ..

▶ हर संकल्प में बाप के साथ और सहयोग का अनुभव कर रही हूँ...

▶ हर कदम में चढती कला का अनुभव कर रही हूँ..

▶ स्वयम को जो हूँ, जैसी हूँ... बाप के आगे प्रत्यक्ष कर रही हूँ...

▶ स्वयम की स्पष्टता से श्रेष्ठ बन रही हूँ...

▶ मैं सम्पूर्ण निश्चय बुद्धि आत्मा हूँ..

➢➢ मैं परम पवित्र हूँ...

➳_ ➳ पवित्रता मेरा निजी संस्कार है...

➳_ ➳ मैं बेहद की सन्यासी हूँ...

➳_ ➳ जन्म जन्म के लिए अपवित्रता का संन्यास कर रही हूँ...

➳_ ➳ मैं बाबा की सदा होलियेस्ट बच्चा हूँ...

➳_ ➳ बाबा का मददगार राईट हैण्ड हूँ...